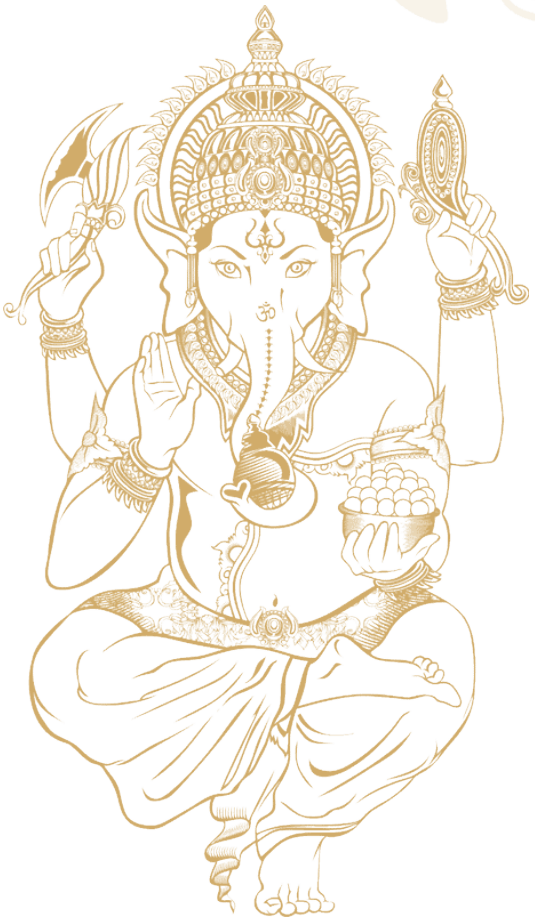

Dr. Khyati Srivastava

13 Oct 1986

04:10 AM

Jaipur Rly Station

Model: web-freekundliweb

Order No: 119481202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12-13/10/1986**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**04:10:00 घंटे**
इष्ट	54:23:23 घटी
स्थान	**Jaipur Rly Station**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:54:00 उत्तर
रेखांश	75:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:43:12 घंटे
वेलान्तर	00:13:24 घंटे
साम्पातिक काल	05:08:02 घंटे
सूर्योदय	06:24:38 घंटे
सूर्यास्त	18:01:51 घंटे
दिनमान	11:37:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:38:10 कन्या
लग्न के अंश	24:44:01 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शूल
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	24:44:01	321:26:00	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			कन्या	25:38:10	00:59:23	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			मक	26:27:51	13:41:39	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
मंगल			मक	08:29:46	00:33:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध			तुला	18:30:35	01:16:41	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	20:27:46	00:05:05	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
शुक्र			तुला	26:34:48	00:06:21	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	स्वराशि
शनि			वृश्चि	12:44:36	00:05:34	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	27:13:44	00:00:15	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	27:13:44	00:00:15	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	25:34:31	00:02:14	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप			धनु	09:35:05	00:00:55	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	12:53:57	00:02:21	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			वृष	24:22:33	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:14

लग्न-चलित

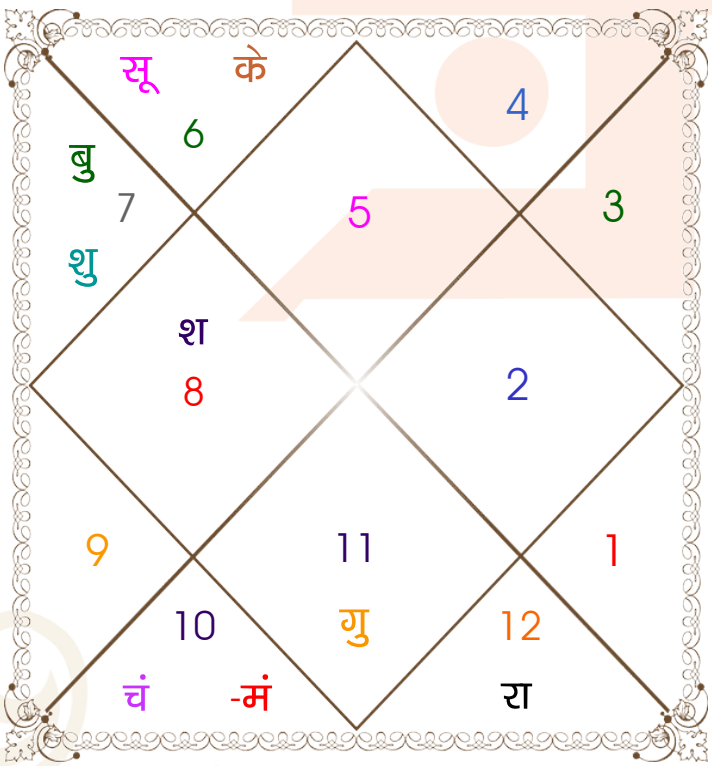

चन्द्र कुंडली

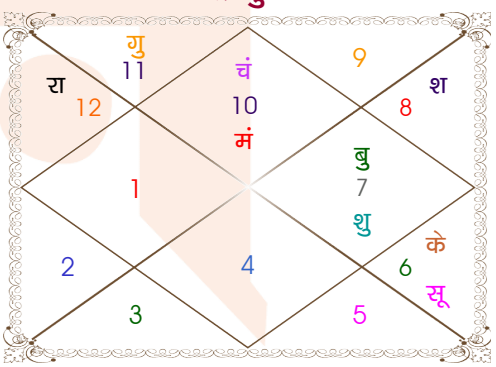

नवमांश कुंडली

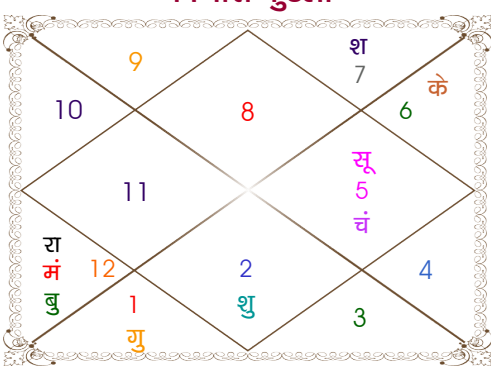

ज्योतिष शिरोमणि शिवरंजनी
बिलासपुर छत्तीसगढ़
7805850463
sahushivranjani@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 4 मास 8 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
13/10/1986		20/02/1992		20/02/2010		20/02/2026		19/02/2045	
20/02/1992		20/02/2010		20/02/2026		19/02/2045		20/02/2062	
	00/00/0000	राहु	02/11/1994	गुरु	09/04/2012	शनि	22/02/2029	बुध	19/07/2047
	13/10/1986	गुरु	28/03/1997	शनि	21/10/2014	बुध	02/11/2031	केतु	15/07/2048
गुरु	13/07/1987	शनि	02/02/2000	बुध	26/01/2017	केतु	11/12/2032	शुक्र	16/05/2051
शनि	21/08/1988	बुध	21/08/2002	केतु	02/01/2018	शुक्र	11/02/2036	सूर्य	21/03/2052
बुध	18/08/1989	केतु	09/09/2003	शुक्र	02/09/2020	सूर्य	23/01/2037	चंद्र	21/08/2053
केतु	14/01/1990	शुक्र	08/09/2006	सूर्य	21/06/2021	चंद्र	24/08/2038	मंगल	18/08/2054
शुक्र	16/03/1991	सूर्य	03/08/2007	चंद्र	21/10/2022	मंगल	03/10/2039	राहु	07/03/2057
सूर्य	22/07/1991	चंद्र	01/02/2009	मंगल	27/09/2023	राहु	09/08/2042	गुरु	12/06/2059
चंद्र	20/02/1992	मंगल	20/02/2010	राहु	20/02/2026	गुरु	19/02/2045	शनि	20/02/2062

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/02/2062		19/02/2069		19/02/2089		20/02/2095		20/02/2105	
19/02/2069		19/02/2089		20/02/2095		20/02/2105		00/00/0000	
केतु	19/07/2062	शुक्र	21/06/2072	सूर्य	09/06/2089	चंद्र	21/12/2095	मंगल	19/07/2105
शुक्र	18/09/2063	सूर्य	21/06/2073	चंद्र	09/12/2089	मंगल	21/07/2096	राहु	07/08/2106
सूर्य	24/01/2064	चंद्र	20/02/2075	मंगल	15/04/2090	राहु	20/01/2098	गुरु	14/10/2106
चंद्र	24/08/2064	मंगल	21/04/2076	राहु	10/03/2091	गुरु	22/05/2099		00/00/0000
मंगल	20/01/2065	राहु	22/04/2079	गुरु	27/12/2091	शनि	21/12/2100		00/00/0000
राहु	07/02/2066	गुरु	21/12/2081	शनि	08/12/2092	बुध	23/05/2102		00/00/0000
गुरु	14/01/2067	शनि	19/02/2085	बुध	15/10/2093	केतु	22/12/2102		00/00/0000
शनि	23/02/2068	बुध	21/12/2087	केतु	20/02/2094	शुक्र	22/08/2104		00/00/0000
बुध	19/02/2069	केतु	19/02/2089	शुक्र	20/02/2095	सूर्य	20/02/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 4 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

ज्योतिष शिरोमणि शिवरंजनी
बिलासपुर छत्तीसगढ़
7805850463
sahushivranjani@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगी। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी की निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी स्त्री का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगी। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकते है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी हैं।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण वस्तुओं का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान है। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकती हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगी। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करती रहीं तो बाद में पश्चाताप करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास सुन्दर पति, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगी।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।